*Enhanced Edition
NEP 2020 Guidelines

ज्ञान सरोवर
हिंदी व्याकरण

अध्यापक सहायक-पुस्तिका

2

YBPL
YELLOW BIRD PUBLICATIONS PVT. LTD.
EDUCATIONAL PUBLISHER

ज्ञान सरोवर हिंदी व्याकरण कक्षा-2

अध्याय-1

भाषा और व्याकरण

(क) 1. (स), 2. (स), 3. (अ) 4. (स), 5. (ब)

(ख) 1. राष्ट्रभाषा 2. अनेक 3. भारतीय 4. हिंदी 5. भाषा
6. दो 7. पंजाबी

(ग) 1. ✗ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✗ 5. ✗
6. ✗ 7. ✗

लिखित:

(क) 1. भाषा वह साधन है, जिसके द्‌वारा हम अपने मन के विचार बोलकर या लिखकर प्रकट कर सकते हैं।

2. भाषा के दो रूप हैं– मौखिक और लिखित।

3. हिंदी का जन्म संस्कृत भाषा से हुआ है।

4. व्याकरण वह शास्त्र है, जिससे किसी भाषा को शुद्‌ध रूप से बोलने व लिखने के नियमों का ज्ञान प्राप्त होता है।

(ख) 1. मौखिक भाषा– मुख से जो कुछ बोला व कानों से सुना जाता है, वह भाषा का मौखिक रूप कहलाता है।

2. लिखित भाषा– पढ़ने योग्य जो कुछ लिखा जाता है, वह भाषा का लिखित रूप होता है। इसे ही लिखित भाषा कहते हैं।

(ग) 1. लड़की जा रही है। 2. सूरज पश्चिम में छिपता है।
3. बैंड बज रहा था। 4. आज मौसम साफ़ रहेगा।
5. हमने खाना खाया। 6. लता ने दूध पीया।

(घ) 1. हिंदी 2. गुजराती 3. मराठी 4. तमिल 5. बांग्ला

(ङ) 1. हिंदी 2. मलयालम 3. पंजाबी 4. मराठी
5. गुजराती 6. तमिल 7. हिंदी 8. हिंदी

विविध:

1. मैं हिंदी, संस्कृत तथा अंग्रेजी भाषा बोलती हूँ।
2. मेरी मातृभाषा हिंदी है।

3. यह प्रश्न विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

अध्याय-2 – वर्ण-विचार

(क) 1. (अ), 2. (ब), 3. (स) 4. (ब),

(ख) स्वर वर्ण: ए, आ, ई, ऊ, अ, उ, ओ, औ, ऐ, आ, ऋ

(ग) व्यंजन वर्ण: ग, ज, ध, ब, न, छ, झ, ग, घ, र, ल, म, ङ, भ, श, च, व, क, ख, ङ, ड ड़, ह, ख, थ, फ, ठ, ण, ध, द, ष, श, त, प, य

(घ) 1. क वर्ग: क ख ग घ ड़ 2. च वर्ग: च छ ज झ ञ

3. ट वर्ग: ट ठ ड ढ ण 4. त वर्ग: त थ द ध न

5. प वर्ग: प फ ब भ म

(ङ) 1. ग्यारह 2. चार 3. व्यंजन 4. ऊष्म

लिखित:

(क) 1. जिस मूल ध्वनि के टुकड़े न किए जा सकें, उसे 'वर्ण' या 'अक्षर' कहते हैं।

2. किसी भाषा के वर्णों का व्यवस्थित व क्रमबद्ध रूप 'वर्णमाला' कहलाता है।

3. जिन वर्णों को बोलते समय किसी अन्य वर्ण की सहायता न लेनी पड़े, उन्हें 'स्वर' कहते हैं। स्वर कुल ग्यारह होते हैं।

4. जो वर्ण स्वर-ध्वनि की सहायता से बोले जाते हैं, उन्हें 'व्यंजन' कहते हैं। व्यंजन कुल तैंतीस होते हैं।

5. क्ष, त्र, ज्ञ, श्र– ये वर्ण संयुक्त व्यंजन कहलाते हैं।

(ख) 1. क्ष– परीक्षा, कक्षा 2. त्र– पत्र, चित्र

3. ज्ञ– ज्ञान, विज्ञान 4. श्र– श्रम, विश्राम

(ग) 1. नाला– न् + आ + ल् + आ

2. केवल– क् + ए + व् + अ + ल् + अ

3. नैया– न् + ऐ + य् + आ

4. शैशव– श् + ऐ + श् + अ + व् + अ

5. नल– न् + अ + ल् + अ

(घ) चाकू, थैला, माला, रेत, पुल, तोता

(ङ) अनुस्वार– कंघा, गंजा, गंदा, हंस, जंग, संजना, चंदा, संग, सांस, जंगल, गंगा, खंड, पतंग, लंदन, दंत, कंगन, चंदन, गंध

अनुनासिक– माँग, यहाँ, टाँग, गाँव, जाँघ, हाँ, माँ, पाँव, ऊँट, साँप, ताँगा, आँख, आँगन, हँसना।

विविध:

पतंग	चंद्रमा	चाँद	सुंदरता
आँख	दाँत	कंगन	गाँठ
गंगा	संगीत	संगति	अंधकार
अँधेरा	गंदगी	भाँति	चाँदी

अध्याय-3 – स्वरों की मात्राएँ

(क) 1. (ब), 2. (स), 3. (स) 4. (स),

(ख)

आ	ा	ऋ	ृ
इ	ि	उ	ु
ई	ी	ऐ	ै
ए	े	ओ	ो
ऊ	ू	औ	ौ

(ग) 1. ✗ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✓

(घ) 1. ो 2. ा 3. े 4. ु 5. ू 6. ी
7. ू 8. ी 9. ि 10. ृ

लिखित:

(क) 1. किसी वर्ण के उच्चारण में जो समय लगता है, उसे 'मात्रा' कहते हैं।

2. 'अ' का कोई मात्रा-चिह्न नहीं होता।

3. ा ि ी ु ू ृ े ै ो ौ

(ख) छतरी उल्लू कोट बिल्ली गुलाब बैल

विविध:

घोड़ा– ो की मात्रा

वाक्य– घोड़ा तेज़ दौड़ता है।

पेड– े की मात्रा

पेड़ हमें छाया देते हैं।

सूरज– ू की मात्रा

सूरज गर्मी देता है।

(ख) अ आ इ ई

उ ऊ ऋ

ए ऐ ओ औ

अध्याय-4 – वर्ण-संयोग

(क) 1. (ब), 2. (ब), 3. (स) 4. (ब), 5. (ब)

(ख) 1. र् 2. ङ् 3. ्ट 4. ्र 5. ्ड 6. ्ढ

(ग) ब्ब प्प च्च ⟶ ब्ब – गुब्बारा, डब्बा; प्प – चप्पल, खप्पर; च्च – बच्चा, सच्चा।

(घ) चम्मच बच्चा कुत्ता गुब्बारा

विविध:

1. कच्चा 2. सच्चा 3. अच्छा 4. हिम्मत 5. मरम्मत

6. वस्त्र 7. छज्जा 8. बस्ता 9. सस्ता 10. संख्या

अध्याय-5 – शब्द और वाक्य

(क) 1. (स), 2. (ब), 3. (अ), 4. (ब)

(ख) 1. सार्थक 2. निरर्थक 3. सार्थक 4. सार्थक

(ग) फूल प्याला चिड़िया शेर

(घ) सार्थक– कलम, तोता, नानी

निरर्थक– वलम, वोता, वानी

(ङ) कीचड़, कपड़ा, हिरन, कबूतर, तोता, गीत

लिखित:

1. वर्णों के ऐसे मेल को 'शब्द' कहते हैं, जिसका कोई अर्थ हो।
2. ऐसे शब्द जिनका कोई अर्थ हो, 'सार्थक शब्द' कहलाते हैं। जैसे: महल, मंदिर, सूर्य आदि।
   ऐसे शब्द जिनका कोई अर्थ नहीं होता, 'निरर्थक शब्द' कहलाते हैं। जैसे: वानी, वल, वोटी आदि।

विविध:

1. माँ– माँ सबकी फिक्र करती है।
2. दरवाज़ा– दरवाज़ा बंद कर दो।
3. फूल– फूल हमें हँसना सिखाते हैं।
4. मीठा– यह आम बहुत मीठा है।
5. इमारत– देखो कितनी बड़ी इमारत है।

अध्याय-6 – पर्यायवाची शब्द

(क) 1. (अ), 2. (ब), 3. (अ), 4. (अ)

(ख) पक्षी, खग पशु, जानवर सूर्य, रवि

वृक्ष, तरू गौ, धेनु

(ग)

	1. स्त्री	नारी
	2. नया	नवीन
	3. रात	निशा
	4. दिन	दिवस
	5. आकाश	नभ
	6. पर्वत	गिरि
	7. मित्र	तात
	8. पुत्र	तनय

लिखित:

1. परस्पर समान अर्थ देने वाले शब्द 'पर्यायवाची' कहलाते हैं।
2. पर्यायवाची शब्दों को 'समानार्थी शब्द' नाम से जाना जाता है।

विविध:

1. यह प्रश्न विद्यार्थी स्वयं करेंगे।
2. नदी– सरिता, तरंगिणी, तटिनी।
3. आकाश– नभ, आसमान, अंबर
   पुत्र– सुत, तनय, बेटा

अध्याय-7 – विलोम

(क) 1. (स), 2. (स), 3. (स)

(ख) गरम × ठंडा भीतर × बाहर थोड़ा × बहुत एक × अनेक

धनी × निर्धन जीत × हार कठोर × कोमल राजा × रंक मान × अपमान

लिखितः

(क) 1. जो शब्द आपस में उल्टे अर्थ का बोध कराएँ, उन्हें 'विलोम शब्द' कहते हैं।

2. विलोम शब्द को 'विपरीतार्थक शब्द' नाम से भी जाना जाता है।

(ख) एक × अनेक अमृत × विष मित्र × शत्रु

निडर × डरपोक सुखी × दुखी अच्छा × बुरा

विविधः

1. अमीर × गरीब
2. आज़ाद × गुलाम
3. अच्छा × बुरा
4. असली × नकली
5. आकाश × पाताल

वाक्यः

1. हमें हर गरीब की मदद करनी चाहिए।
2. आज हम आज़ाद हैं।
3. तुमने आज बहुत अच्छा काम किया।
4. यह अँगूठी असली है या नकली।
5. आकाश में तारे कितने सुंदर लग रहे हैं।

अध्याय-8 – वाक्यांशों के लिए एक शब्द

(क) 1. (स), 2. (ब), 3. (स) 4. (ब)

लिखितः

(क) 1. ग्रामीण 2. निराकार 3. अनपढ़ 4. दैनिक

(ख) 1. महीने में एक बार होने वाला

2. जिसके आने की तिथि निश्चित न हो

3. काम से जी चुराने वाला

4. दान करने वाला

5. भगवान में विश्वास रखने वाला

6. पाप करने वाला

विविध:

(क) डॉक्टर पुलिसवाला वकील छात्र/विद्यार्थी गायक

(ख) 1. अच्छे आचरण वाला– सदाचारी

2. जो विद्या ग्रहण करता हो– विद्यार्थी

3. लिखने वाला– लेखक

4. देखने वाला– दर्शक

5. सुनने वाला– श्रोता

अध्याय-9 – समान ध्वनि वाले शब्द

– अभ्यास कार्य नहीं है।

अध्याय-10

मुहावरे

(क) 1. (स), 2. (ब), 3. (स) 4. (स)

(ख) 1. उल्लू बनाना मूर्ख बनाना

2. घी के दीये जलाना खुशी मनाना

3. बाल बाँका न होना कुछ भी हानि न होना

4. टेढ़ी खीर कठिन काम

(ग) 1. कमर कस लो 2. खिल उठा 3. नाक रख ली

4. ईंट से ईंट बजा दी 5. सितारा चमकता है।

लिखित:

1. तरह-तरह के बहाने बनाना

सही तरीके से काम करो, क्यों इतनी अगर-मगर कर रहे हो?

2. किसी बात का कोई असर न होना

रवि किसी की बात नहीं मानता, वह तो चिकना घड़ा है।

3. डर जाना

जग्गू पहलवान के सामने तो सब भीगी बिल्ली बन जाते हैं।

4. बहुत प्रिय होना

मैं अपने माता-पिता की आँखों का तारा हूँ।

5. बहुत दिनों बाद दिखाई पड़ना

अरे! तुम तो नज़र ही नहीं आते, ईद का चाँद हो गए हो।

विविधः

1. ऐसा वाक्यांश जो अपने शाब्दिक अर्थ के लिए नहीं, अपितु विशेष अर्थ के लिए प्रयुक्त किया जाता है, 'मुहावरा' कहलाता है।
2. वाक्यों को सुंदर व प्रभावशाली बनाने के लिए उनमें मुहावरों का प्रयोग किया जाता है।
3. i. आँखे चुराना ii. आँख दिखाना iii. आँखों का तारा
iv. आँख आना v. आँखों के सामने

अध्याय-11 – संज्ञा

(क) 1. (ब), 2. (स), 3. (अ) 4. (स)

(ख)

1.	दिल्ली	व्यक्तिवाचक
	रमेश	व्यक्तिवाचक
2.	कुरसी	जातिवाचक
	कठोरता	भाववाचक
3.	मूर्खता	भाववाचक
	मेज़	जातिवाचक
4.	कुत्ता	व्यक्तिवाचक
	बीमारी	भाववाचक
5.	गन्ना	व्यक्तिवाचक
	कार	जातिवाचक

(ग) 1. कुतुबमीनार 2. हरिद्वार 3. भारत 4. मिठास 5. हिमालय

(घ) 1. बच्चा 2. कुत्ते 3. पेड़, फल 4. समुद्र, मछलियाँ

(ङ) 1. हाँ 2. हाँ 3. हाँ 4. हाँ

(च) 1. बुनाई 2. अच्छाई 3. वीरता 4. पढ़ाई

5. लंबाई 6. सजावट 7. गरीबी 8. भलाई

लिखित:

1. किसी प्राणी, वस्तु, स्थान, अवस्था या भाव के नाम को 'संज्ञा' कहते हैं।
2. जिस शब्द से किसी विशेष स्थान या वस्तु का बोध हो, उसे 'व्यक्तिवाचक' संज्ञा कहते हैं।
3. जिस शब्द से उसकी संपूर्ण जाति का बोध हो, उसे 'जातिवाचक संज्ञा' कहते हैं।

विविध:

चार संज्ञा शब्द: मेज़, कुरसी, पुस्तक, घर

चार मित्रों के नाम: रमेश, रवि, सोनू, सोहन

रमेश: 1. रमेश मेरा सबसे पक्का दोस्त है।

2. वह ईमानदार है।

रवि: 1. रवि बहुत समझदार है।

2. वह मेरी हर काम में मदद करता है।

सोनू: 1. सोनू परिश्रमी है।

2. सोनू अपना हर काम समय पर करता है।

सोहन: 1. सोहन मेरे साथ खेलता है।

2. हम दोनों इकट्ठे विद्यालय जाते हैं।

अध्याय-12 – लिंग

(क) 1. (स), 2. (स),

(ख) 1. स्त्रीलिंग 2. पुल्लिंग 3. स्त्रीलिंग 4. पुल्लिंग 5. पुल्लिंग

लिखित:

(क) 1. पुल्लिंग 2. पुल्लिंग 3. पुल्लिंग 4. स्त्रीलिंग

5. पुल्लिंग 6. स्त्रीलिंग 7. पुल्लिंग 8. स्त्रीलिंग

(ख) 1. नौकर 2. भाई 3. पति 4. मोर

5. ससुर 6. बालक 7. युवक 8. पिता

(ग) 1. नौकरानी सफ़ाई कर रही है।

2. चाची हँस रही है।

3. मुरगा दाना खा रहा है।

4. शेरनी दहाड़ रही है।

5. धोबी कपड़े धो रहा है।

(घ) 1. शब्द के जिस रूप से स्त्री या पुरुष होने का पता चले, उसे 'लिंग' कहते हैं।

2. जो शब्द पुरुष जाति का बोध कराते हैं, वे 'पुल्लिंग' कहलाते हैं। उदाहरण: शेर, लड़का, आदमी, हलवाई।

3. लड़की, चुहिया, सेविका, बेटी।

विविध:

	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग		पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
1.	बालक	बालिका	6.	गायक	गायिका
2.	लड़का	लड़की	7.	लेखक	लेखिका
3.	आदमी	औरत	8.	नायक	नायिका
4.	लोटा	लुटिया	9.	हाथी	हथिनी
5.	नेता	नेत्री	10.	चाचा	चाची

अध्याय-13 – वचन

(क) 1. (अ), 2. (ब), 3. (अ), 4. (अ)
5. (अ), 6. (अ), 7. (ब), 8. (ब)

(ख) 1. लड़के 2. घोड़े 3. केले 4. एक

(ग) 1. एकवचन 2. बहुवचन 3. बहुवचन 4. एकवचन 5. एकवचन
6. बहुवचन 7. एकवचन 8. एकवचन 9. बहुवचन

लिखित:

(क) 1. बहिनें 2. कमरे 3. पत्तियाँ 4. रोटियाँ
5. बिल्लियाँ 6. थालियाँ 7. बच्चे 8. मछलियाँ

(ख) 1. पौधा 2. सखी 3. लड़की 4. नाली
5. डाली 6. टाँग 7. तिथि 8. सेना

(ग) 1. ✓ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✗

(घ) 1. संख्या के बोध को 'वचन' कहा जाता है।

2. शब्द के जिस रूप से एक प्राणी या वस्तु का बोध हो, वह 'एकवचन' कहलाता है।

3. शब्द के जिस रूप से दो या दो से अधिक प्राणियों या वस्तुओं का बोध होता है। वह 'बहुवचन' कहलाता है।

4. बहुवचन

विविधः

(क) पंखा - पंखे कमरा - कमरे खिड़की - खिड़कियाँ
दरवाज़ा - दरवाज़े कमीज़ - कमीज़ें दवाई - दवाइयाँ
मिठाई - मिठाइयाँ चम्मच - चम्मचें

(ख) 1. स्त्रियाँ– स्त्रियाँ बहुत मेहनती होती हैं।

2. कमरे– यहाँ सभी कमरे बंद हैं।

3. सहेलियाँ- मेरी सारी सहेलियाँ सुंदर हैं।

4. बच्चे- बच्चे बगीचे में खेल रहे हैं।

5. रुपए- उसे पाँच रुपए दे दो।

अध्याय–14 – सर्वनाम

(क) 1. (अ), 2. (ब), 3. (स), 4. (स) 5. (स)

(ख) 1. ✗ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✓

(ग) 1. वे 2. उसे 3. मैं 4. तुम 5. वह

(घ) 1. वे शोर मचा रहे हैं। 2. वह भोजन पका रही है।

3. उसे लोगों ने शाबाशी दी।

(ङ) 1. कोई 2. कुछ 3. यह 4. वह 5. मैं 6. तुम

लिखितः

1. संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द 'सर्वनाम' कहलाते हैं। उदाहरणः मैं, तुम, उसे, मुझे, वह।
2. बात कहने वाला अपने लिए 'मैं' और 'हम' शब्दों का प्रयोग करता है।
3. बात सुनने वाले के लिए 'तू, तुम, आप'- इन शब्दों का प्रयोग होता है।

विविध:

कौन आया है। वह एक भिखारी है। क्या लाए हो भैया?
तुम खेल रहे थे क्या?

अध्याय–15 – कैसा? कितना?

(क) गरम चाय छोटी पूँछ लंबी मूँछें लंबी गरदन
लाल चोंच पीली फ्रॉक नीली कमीज़ मोटा आदमी

(ख) तीन पेड़ दो पेंसिलें सात सेब चार घोड़े
एक घड़ी आठ कौए एक लीटर तेल दो मीटर कपड़ा

लिखित:

1. संतरा 2. आवाज़ 3. फल 4. मित्र 5. कहानी
6. दोस्त 7. कपड़ा 8. नहर 9. लड़के 10. कुआँ
11. गुफ़ा 12.राज़

विविध:

चालाक, ईमानदार, ऊँचा, बड़ी, धूर्त, नुकीला, मूर्ख, सुंदर, हरी, प्यारी

अध्याय–16 – क्रिया

(क) 1. (स), 2. (ब), 3. (स)

(ख) 1. पढ़ता है 2. खड़ा है 3. बैठा है 4. चर रही है

लिखित:

1. जिन शब्दों से किसी काम का करना या होना पाया जाए, उन्हें 'क्रिया' कहते हैं।
2. हँसना, खेलना, पढ़ना, गाना, जाना।

विविध:

बच्चा खेल रहा है।

गायिका गा रही है।

बालक पढ़ रहा है।

लड़का हँस रहा है।

बच्चा रो रहा है।

ज्ञान सरोवर हिंदी व्याकरण

YBPL

YELLOW BIRD PUBLICATIONS PVT. LTD.

EDUCATIONAL PUBLISHER

Regd. Off. : F-214, Laxmi Nagar, Delhi-110 092
Tel. : 91-11-2254 1336, 971 16 18765
E-mail : yellowbirdpublications@gmail.com • info@yellowbirdpublications.com
Website : www.yellowbirdpublications.com